

प्रेमक,
टी.सी.ए. सन्त,
संयुक्तप्रमुख,
जयप्रकाश शरण ।

सोनामे,
समस्त जिलाधिकारी,
उत्तरांचल ।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 10 सितम्बर 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-2005 में राउको तथा सेकुर्जी पर पूर्वीगत परिषद जिला तथा अन्य राउको जिला योजना हेतु प्राविधिकता धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विवरण मुख्य अभियंता द्वारा लोक निर्माण विभाग, देहरादून को पत्र सं. 1707/02 बजट (जिलायोजना)/2004-2005 दिनांक 11.5.2004 के अन्तर्गत से री. एच. शास्त्री द्वारा सं. 1142/11(2)/04-13 (बजट)/2004, दिनांक 31 मई 2004 के क्रम में भेजे गए कानून का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में राउको तथा सेकुर्जी पर पूर्वीगत परिषद जिला तथा अन्य राउको जिला योजना (आयोजनागत) में मानू कानून से. 1005.00 लाख (रु. सौ. पचास हजार) की धनराशि की संलग्न विवरणानुसार आगले विवेकान पर रखे जाने की सी. एच. शास्त्री महोदय साहब स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- (क) उक्त धनराशि का काम जिला सचिवों द्वारा अनुमोदित मानू कानून पर किया जायेगा तथा जिला सचिवों की नई योजनाओं पर काम प्रारम्भ हो अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् ही किया जायेगा। मानू योजनाओं पर भी काम अनुमोदित तालत की सीमा तक ही किया जायेगा।

(ख) स्वीकृत धनराशि के राउको में जिलेदार एवं कर्मचार फाट करके एक राउको के अन्तर्गत शरण को उपलब्ध करायी जायेगी।

3- उक्त धनराशि का काम तीरी एल. के अन्तर्गत पर किया जायेगा, तथा धार्मिक आवश्यकतानुसार तीन राउको जिलेदारों में अन्तर्गत से अन्तर्गत किया जायेगा, एवं वित्तीय/प्रौद्योगिक जिलेदारों का निरक्षण शरण की प्राविधिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त स्वीकृत की जो रही धनराशि के 20 प्रतिशत राउको एवं विगत वर्ष स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपयोग के आधार पर अगली वित्त आगुता की जायेगी कानून की गुणवत्ता एवं समग्रता से संवेदित अभियंता जी अभियंता उत्तरदायी होंगे।

4- उक्त धनराशि का अन्तर्गत पर ही किया जायेगा जब विगत वर्ष में उक्त मद में जिला योजनागत राउको धनराशि का उपयोग कर लिया जाय। जिन जिलेदारों में विगत वर्ष की पूर्ण धनराशि का उपयोग हो गया है वे ही उक्त धनराशि का अन्तर्गत पर रख सकते हैं।

5- यह स्वीकृति कर लिया जाय कि काम मानू कानून पर कानून की पूर्ण अनुमोदित राउको की सीमा तक ही किया जाय।

6- अन्य कानून से पूर्ण जिलेदारों में बजट अनुमोदित वित्तीय अन्तर्गत के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शरणगीत आगुता अन्य राउको प्राविधिकता की स्वीकृति की आवश्यकता हो जाने काय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अन्तर्गत पर रख कर ली जाय।

निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगमन / मु-संदिग्ध सामग्री पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगमन पर सक्षम प्रविष्टि की तकनीकी समीक्षा भी आवश्यक प्राप्त कर ली जाय ।

7- व्यय सन्धि योजनाओं पर किया जायेगा जो अनुमोदित हों ।



8- कार्य की गुणवत्ता एवं समयवृत्ता हेतु समीक्षा अधिकारी अभियन्ता एवं अन्य से सम्बन्धित होंगे ।

9- रवीकृत को जो रही धनराशि मन दिया 31.3.04 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/वैशेषिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में आगामी निम्न अनुमोदन की जायेगी ।

10- इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004 तक के आय व्यय के प्रमाण संख्या-22 लेखाधीनक-5054 राशियों तथा सीपुर्त पर पूरणीय संश्लेष-04 वित्त वर्ष अन्य संख्या-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-अजित्त योग्य 00-24 कक्षा निर्माण नाम में वित्तवित्त संख्या प्रारम्भिक इकाईयों के मागे डाला जायेगा ।

11- यह आदेश वित्त विभाग के असा. सं-1026 / वित्त अनुभाग-3/04 दिनांक, 31 अगस्त, 2004 में प्राप्त उनकी राहमति से जारी किये जा रहे हैं ।



संलग्नक- राशियाँ ।

()
()
संलग्नक संख्या ।

संख्या-2109 (1) / 11 (2) / 04, तदुद्दिष्ट ।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं इन आगमन नवीजों हेतु पोषित ।

- 1- महालेखाकार (लेखा प्रभाग) उत्तरांचल, इलाहाबाद / देहरादून ।
- 2- आयुक्त महानगर/कुमायू नगर, पीली/नैनीताल ।
- 3- मुख्य अभियन्ता राश-1, लेखा-04, देहरादून ।
- 4- राशरत वित्तवित्तकारी/ कोषाधीनरी उत्तरांचल ।
- 5- मुख्य अभियन्ता, महानगर/कुमायू नगर, पीली/नैनीताल ।
- 6- वरिष्ठ कोषाधीनरी देहरादून ।
- 7- श्री एनएम मन्त्र असा. सांकेतिक (सकल) अनुभाग, उत्तरांचल आसन देहरादून ।
- 8- वित्त अनुभाग-3/वित्त निर्देशन प्रभाग, उत्तरांचल आसन ।
- 9- वरिष्ठ वित्तरी राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल आसन ।
- 10- निजी राशि या मुख्यमंत्री जी की या मुख्यमंत्री जी के जन्मदिनांक ।
- 11- लोक निर्माण अनुभाग-1 उत्तरांचल आसन / गाढ़े बुक ।

()
()
संलग्नक संख्या ।

शासनादेश संख्या- 2879 / 1112/04-13(बजट)/2004 दिनांक 10 सितम्बर 2004 का संलग्नक

अनुदान संख्या-29

लेखाशीर्षक-5054-सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय-04 जिला तथा अन्य सड़कें
5054-04-800-91- जिला योजना-24 दृढ़ता निर्माण कार्य ।

(धनराशि लाख रु० में)

क्रम सं.	जनपद का नाम	कुल परिव्यय	कुल परिव्यय में से मार्ग/सेतु पुनः निर्माण सहित) चालू कार्यों का परिव्यय ।	शासनादेश दिनांक 31-5-04 द्वारा स्वीकृत धनराशि	प्रस्तावित धनराशि
1	नैनीताल	450.01	450.00	173.70	167.30
2	ऊधमसिंह नगर	535.60	500.00	193.00	195.00
3	अल्मोड़ा	300.00	225.00	86.50	132.50
4	पिथौरागढ़	235.00	235.00	90.70	144.30
5	बागेश्वर	370.00	291.00	112.30	178.70
6	धम्पावत	269.92	210.92	81.40	11.86
7	देहरादून	250.00	250.00	96.50	153.50
8	पौड़ी	300.00	300.00	115.80	184.20
9	टिहरी	250.00	250.00	96.25	153.75
10	धमौली	375.00	375.00	144.00	27.00
11	उत्तरकाशी	390.00	320.00	123.50	27.00
12	रूद्रप्रयाग	236.79	236.79	91.40	-
13	हरिद्वार	510.00	505.00	194.95	310.05
	योग-	4472.52	4148.71	1600.00	1685.06

(रु० सोलह करोड़ पित्वासी लाख अठ्ठावन हजार मात्र)

(टी०के० पन्त
संयुक्त सचिव ।